

तुम्हारे इश्क में रहना, ये रूह की हसरत हो
पिया जी ऐसा मोहोल दे दो और क्या चाहें

1- तलब तुम्हारी रखना हमारे हाथ नहीं
तड़पना इश्क में हमारे ये बस की बात नहीं
हमारी अर्शे इबादत हो और क्या चाहें

2- पिया को रिझाऊं ऐसी तो मुझमें बात
नहीं
फना हो जाऊं ऐसे भी तो हालात नहीं
दिलों में प्यार की रंगत हो और क्या चाहें

3- तुम्हारे ईल्म से एहसास ऐसा होता है
के इश्क हक का रुहों से खास होता है
हमारा आलमे वाहेदत हो और क्या चाहें